

भारत सरकार  
श्रम और रोजगार मंत्रालय  
राज्य सभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या- 557  
गुरुवार, 21 जुलाई, 2022/30 आषाढ, 1944 (शक)

श्रम बल भागीदारी दर में गिरावट

557. श्री मल्लिकार्जुन खरगे:

क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या यह सच है कि सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के आंकड़ों के अनुसार, श्रम बल भागीदारी दर वर्ष 2016 में 47%, से घटकर वर्ष 2022 में 40% हो गई है;
- (ख) यदि हाँ, तो श्रम बल से इतनी बड़ी संख्या में लोगों के बाहर होने के क्या कारण हैं;
- (ग) सीएमआईई और आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) की कार्यप्रणाली में क्या अंतर हैं;
- (घ) क्या वर्ष 2020-21 के लिए आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण संबंधी आंकड़े तैयार कर लिए गए हैं; और
- (ङ) यदि हाँ, तो इन आंकड़ों को अभी तक सार्वजनिक नहीं किए जाने का क्या कारण है और इसे कब तक प्रकाशित किए जाएंगे?

उत्तर  
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री  
(श्री रामेश्वर तेली)

(क) और (ख): वर्ष 2017-18 से, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा आयोजित आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के माध्यम से रोजगार और बेरोजगारी पर प्रामाणिक आंकड़े एकत्र किए जाते हैं। सर्वेक्षण की अवधि जुलाई से अगले वर्ष जून है। पीएलएफएस 2020-21 में उपलब्ध वार्षिक रिपोर्टों के अनुसार, सामान्य स्थिति के आधार पर 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए अनुमानित श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) वर्ष 2017-18 में 49.8% की तुलना में वर्ष 2020-21 में बढ़कर 54.9% हो गई है।

(ग): कई निजी कंपनियों/निकाय/अनुसंधान संगठन, अपनी कार्यप्रणाली के आधार पर अलग-अलग सर्वेक्षण करते हैं। सीएमआईई उनमें से एक है।

(घ) और (ङ): वर्ष 2020-21 के लिए पीएलएफएस रिपोर्ट जारी कर दी गई है और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

\*\*\*\*\*